न्यायालय
उपखण्ड़ अधिकारी/सहायक कलक्टर
गुडामालानी जिला बाडमेर

सीताराम बनाम सूजा — प्रा0पत्रसं0 251/2024

	हुक्म या कार्यवाही मय इनि यत्स जज आदेशिका (अन्तर्गत धारा–212 आर0टी0एक्ट)	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए।
11.09.2024	विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी उप0। आज यह प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा–212 आर0टी0एक्ट–1955 का प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण के विरूद्व प्रस्तुत कर निवेदन किया कि विवादित आराजी हाल खसरा संख्या 557/3/1.1493 है0 कुल किता 01 कुल रकबा 1.1493 है0 वाके मघा की ढाणी तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर में स्थित है। उक्त आराजी प्रार्थी की खातेदारी आराजी है। इस प्रकार प्रार्थी का उक्त खातेदारी आराजी मे हिस्सा होने से प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थी के पक्ष मे है। उक्त खातेदारी आराजी पर वर्तमान में रहवासी ढाणी व पशु चारवाडे व पानी के टांके बनें हुऐ है। अप्रार्थीगण वर्तमान कब्जेशुदा खातेदारी आराजी पर बिना विधिक प्रकिया अपनाये प्रार्थी के कब्जे का त की आराजी पर दखलअन्दाजी करने पर आमादा है। अगर अप्रार्थीगण बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये प्रार्थी के खातेदारी आराजी में दखलअन्दाजी करते है तो प्रार्थी को अपूर्णनीय क्षति होना संभावित है। अतः उक्त आराजी पर अप्रार्थीगण प्रार्थी के हिस्से की कब्जा कात आराजी पर दखलअन्दाजी नही करने के लिए अस्थाई निषेधाज्ञा से ताफैसला मूल वाद पाबन्द किया जावे। प्रकरण दर्ज किया जाकर प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता की अंतरिम बहस सुनी गई। तत्पश्चात पत्रावली का अवलोकन किया एवं बहस पर मनन किया। प्रकरण में प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत अस्थाई निषेधाज्ञा के प्रार्थना पत्र को निम्न तीन महत्वपूर्ण बिन्दूओं पर जॉचना आवश्यक है:– (अ) मुतनाजा आराजी पर प्रार्थी का स्वत्व/कब्जा होना आवश्यक है। (ब) प्रकरण में सुविधा का सन्तुलन का प्रार्थी के पक्ष में झुकाव होना आवश्यक है। (स) प्रकरण में मुतनाजा आराजी पर अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी को बेदखल किया जाता है, तो प्रार्थी को अपूरणीय क्षति होना संभावित है। प्रकरण में प्रस्तुत जमाबन्दी के अनुसार प्रार्थी विवादित आराजी का खातेदारी होना प्रमाणित है एवं प्रार्थीगण के कब्जा का त की होने के कारण प्रथमदृष्टया सुविधा का संतुलन प्रार्थी के पक्ष में प्रतीत होता है। साथ ही मुताबिक प्रार्थना–पत्र मय शपथ पत्र अप्रार्थीगण निवर्तमान कब्जेशुदा आराजी पर बिना विधिक प्रकिया अपनाये प्रार्थी के कब्जे काश्त की आराजी पर दखलअन्दाजी किये जाने से प्रार्थी को अपूरणीय क्षति होना संभावित है। अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी, भापथ–पत्र व प्रस्तुत दस्तावेजात् पर विश्वास करते हुए प्रार्थी की खातेदारी आराजी *हाल* खसरा संख्या 557/3/1.1493 है0 कुल किता 01 कुल रकबा 1.1493 है0 वाके मघा की ढाणी तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर *पर अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पाबंद किया जाता है कि अप्रार्थीगण, प्रार्थी की खातेदारी आराजी पर जवाब प्रस्तुत करने तक बिना विधिक प्रकिया अपनाये मौके की यथास्थिति में परिवर्तन नही कर मौके की यथास्थिति बनाये रखें।* अप्रार्थीगण जरिये रजिस्टर्ड नोटिस तलब होकर पेश हो तथा इस संबंध में कोई उज–एतरात हो तो दिनांक 18.10.2024 को उपस्थित न्यायालय होकर पेश करे। सहा. कलक्टर गुडामालानी	

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.10.10 11:50:26 IST
Reason: SelfAttested

फर्द अहकाम

अदालत सहायक कलेक्टर/उपखण्ड अधिकारी
मुकाम-गुड़ामालानी

लीलाराम	बनाम	स्रूजा
जीसीएमएस संख्या 2024/452	किस्म मुकदमा	212

तारीख हुक्म	हुक्म/कार्यवाही मय इनिश्यिल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए/पावती
18/10/24	पत्रावली पेश हुई। आज हम दीगर आवश्यक कार्यों में व्यस्त है। अतः इल्तवा होकर पत्रावली आइन्दा 11/11/24 को पेश हो।	
11/11/24	पत्रावली पेश हुई। आज हम दीगर आवश्यक कार्यों में व्यस्त है। अतः इल्तवा होकर पत्रावली आइन्दा 05/12/24 को पेश हो।	
05.12.24	पत्रावली आज पेश हुई वकील प्रार्थी अनुपस्थित/ इल्तवा होकर पत्रावली दिनांक 16/01/25 को पेश हो	
16/01/25	पत्रावली आज पेश हुई। वकील प्रार्थी उप. वकील प्रार्थी अप्रार्थीगणों को सम्मन भेजने का अवसर चाहते है। पत्रावली दिनांक 27/01/25 को पेश हो।	
27/01/25	पत्रावली आज पेश हुई। वकील प्रार्थी उप. वकील प्रार्थी अप्रार्थीगणों को सम्मन भेजने का अवसर चाहते है। पत्रावली दिनांक 28/2/25 को पेश हो	
28/2/25	पत्रावली पेश हुई। आज हम दीगर आवश्यक कार्यों में व्यस्त है। अतः इल्तवा होकर पत्रावली आइन्दा 17/3/25 को पेश हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.10.10 11:50:26 IST
Reason: SelfAttested

फर्द अहकाम

अदालत सहायक कलेक्टर/उपखण्ड अधिकारी
मुकाम-गुड़ामालानी

लीला	बनाम	सूजा
जीसीएमएस संख्या 2024/432	किस्म मुकदमा	212

तारीख हुक्म	हुक्म/कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए/पावती
16/06/25	पत्रावली आज पेश हुई। वकुलाय पक्षकारान उप०। वकुलाय पक्षकारान बहस हेतु अवसर चाहते है। अवसर दिया जाता है। पत्रावली दिनांक 20/06/25 को पेश। [signature]	
20/6/25	पत्रावली आज पेश हुई वकील प्रार्थी उप०। बहस आइन्दा तारीख। आइन्दा पत्रावली दिनांक 07/7/25 को पेश [signature]	
07/7/25	पत्रावली आज पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित। मूल वाद का निस्तारण हो चुका है अतः मूल वाद का निस्तारण होने से हस्तगत आवेदन-पत्र का कोई औचित्य नहीं रह गया है अतः हस्तगत आवेदन-पत्र भी निस्तारित किया जाता है पत्रावली नियम मुताबिक होकर दाखिल दफ्तर हो। [signature]	

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.10.10 11:50:26 IST
Reason: SelfAttested